

फर्द अहकाम
जोविन्दरायबनाम कन्हैमल्लाल

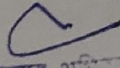
म न्यायालय - उपखण्ड अधिकारी फागी
स संख्या 79/2018 T-2.

नांक आज्ञा कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
----------------------	----------------------	-------------

23/5/25 पत्रावली पेश हुई है पी०ओ० साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 13/6/25 को पेश है।

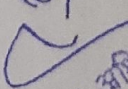
13/6/25 पत्रावली पेश हुई है पी०ओ० साहब अन्य राज कार्य में व्यस्त है। अतः पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक 18/7/25 को पेश है।

18/7/25 पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उप० पत्रावली वास्ते मूलकी कायम शुमार रजिस्टार दिनांक 8/8/25 को पेश हो।


उपखण्ड अधिकारी
फागी (जयपुर)

8/8/25 पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान वकील उपस्थित। प्रा० पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा का निस्तारण निर्धारित अवधि में किया जाना होता है। उनवानी प्रकरण को मूलवाद के निस्तारण तक प्रार्थी व अप्रार्थीगण को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः परिणामस्वरूप प्रा० पत्र T-2 अन्तर्गत धारा 212 राज. कारतकारी अधिनियम को आंशिक स्वीकार किया जाकर प्रार्थी एवं अप्रार्थीगण को मूलवाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि यह वादग्रस्त आराजी खाता सं. 135 के ख.नं. 551 रकबा 3 बीघा 1 बिसवा, खाला सं. 136 के ख.नं. 552 रकबा 7 बीघा 3 बिसवा, खाला सं. 137 के ख.नं. 553 रकबा 7 बीघा भूमि वाके ग्राम मांडी में स्थित आराजीयात के मौका वरिकों की प्रथास्थिति बनास रखे। एक-दूसरे के कब्जे कायम में दखलन्दाजी नही करे। अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द रहे। पत्रावली के मूल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो। दारिक्ल दफ्तर रहे।


उपखण्ड अधिकारी
फागी